नियतकार्य : बी.ई.एस.सी.–132 : शिक्षा का स्वरूप और प्रबन्धन

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.एस.सी.–132

नियतकार्य कोड : बी.ई.एस.सी.–132/टी.एम.ए./जुलाई 2024 एवं जनवरी और जुलाई 2025

कुल अंक : 100

नोट : नियतकार्य तीन भागों में विभाजित है, और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। नियतकार्य के लिए कुल 100 अंक हैं।

भाग अ : निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। (2 x 20 = 40)

1. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 अ क्या है, और यह शिक्षा के अधिकार (आर.टी.ई) अधिनियम 2009 से किस प्रकार सम्बन्धित है? व्याख्या कीजिए कि अनुच्छेद 21 अ और आर.टी.ई. अधिनियम साथ–साथ शिक्षा को बच्चों के लिए एक मौलिक अधिकार के रूप में किस प्रकार संस्थापित करते हैं।
2. शिक्षा के वैश्वीकरण, अन्तर्राष्ट्रीयकरण और निजीकरण की अवधारणाओं की व्याख्या करते हुए एक विस्तृत समीक्षात्मक टिप्पणी लिखिए।

भाग ब : निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। (4 x 12 = 48)

3. राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.ई.आर.टी.) की भूमिका और प्रकार्यों का परीक्षण कीजिए। (12 अंक)
4. भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्या महत्व है? एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(12 अंक)

5. भारत की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एन.सी.एफ.) की मूल विशेषताओं की पहचान कीजिए। अपने प्रत्युत्तर का सविस्तार प्रतिपादन करने के लिए किसी एक एन.सी.एफ. का चयन कीजिए।

(12 अंक)

6. सर्व शिक्षा अभियान पर प्रकाश डालिए। इसकी कालावधि क्या थी और इसे कब समाप्त किया गया ?

(12 अंक)

भाग ग : निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 125 शब्दों में दीजिए। (2 x 6 = 12)

7. राष्ट्रीय ज्ञान आयोग (एन.के.सी.) की संस्तुतियों ने भारत में उच्च शिक्षा की पुनर्संरचना को किस प्रकार प्रभावित किया है ?

(6 अंक)

8. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) की भूमिकाओं और प्रकार्यों का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।

(6 अंक)